मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKM–161

कला स्नातक (मुख्य) संस्कृत

(बी. ए. एफ. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.एम.-161 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(1) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(2) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

*(3) हिन्दी **अथवा** संस्कृत **अथवा** अंग्रेजी में से किसी **एक** भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$4 \times 15 = 60$

1. नाट्य की उत्पत्ति एवं विकास पर निबन्ध लिखिए।

2. आधुनिक संस्कृत रंगमंच की परम्परा का वर्णन कीजिए।

3. रंगमंच के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. नायक के भेदों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. नाट्यगृह के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. अभिनय के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

7. मत्तवारणी पर निबन्ध लिखिए।

8. संस्कृत रंगमंच की परम्परा में नाट्य-संवाद का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$4 \times 10 = 40$

1. संस्कृत नाट्य-परम्परा में नायिका के महत्त्व पर टिप्पणी लिखिए।

2. भरतमुनिकृत नाट्य परिभाषा की विवेचना कीजिए।

3. धनञ्जयकृत नाट्य की परिभाषा पर टिप्पणी लिखिए।

4. आधुनिक संस्कृत रंगमंच से सम्बन्धित सोपानम् एवं ज्ञानप्रवाह नामक संस्थानों का परिचय लिखिए।

5. व्यापारिक रंगमंच पर टिप्पणी लिखिए।

6. आधिकारिक कथावस्तु पर टिप्पणी लिखिए।

7. भाण एवं प्रकरण का वर्णन कीजिए।

8. रस-निष्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×